Appointments

(3) शैक्षिक रूप से विशिष्ट बालक
Educationally ~~Bright~~ Exceptional child

शैक्षिक रूप से विशिष्ट बालक वे होते हैं। जो पढ़ने - लिखने की योग्यता एवं निष्पादन में सामान्य बालकों की तुलना में काफी ~~अच्छा~~ अलग होता है। इनको तीन वर्गों में रखा जा सकता है।

(1) शैक्षिक रूप से समृद्ध बालक
Educationally Bright

ऐसे बालकों का उपलब्धि स्तर (Achievement Level) सामान्य बालकों की तुलना में काफी अच्छा होता है।

इनमें सीखने की ग्राह्यता (adaptability to learning), समझ (Understanding) तथा विचारों का समन्वय (Assimilation of thoughts) उच्च स्तरीय होता है। यह याद की हुई विषय- वस्तु को अधिक समय तक धारण किये रह सकते हैं। इसी कारण से ये शैक्षिक रूप समृद्ध एवं श्रेष्ठ होते हैं। इनका शैक्षिक स्तर भी प्रायः सामान्य से ऊँचा होता है। ये लगातार अच्छा अभिलेख (Record) रखने वाले योग्यता सूची में स्थान पाने वाले, अध्यापकों के प्रिय होते हैं। इनके अभिभावकों व अध्यापकों को उत्तम शैक्षिक पर्यावरण की आवश्यकता होती है।
लिए योग्य

(2) शैक्षिक रूप से पिछड़ा बालक

Educationally Backward →

वे बालक जो अपने आयु वर्ग के बालकों से शैक्षिक रूप से 1 या 2 वर्ष पिछड़े हुए होते हैं, शैक्षिक रूप से पिछड़े बालक कहलाते हैं। इनका यह पिछड़ापन दो मुख्य कारणों से हो सकता है।

प्रथम – दोषयुक्त शैक्षिक पर्यावरण एवं त्रुटिपूर्ण शिक्षण विधियों का प्रयोग।

द्वितीय – बालक का मन्दबुद्धि (Mentally Retarded) होना। यहाँ यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि सभी शैक्षिक रूप से पिछड़े बालक मन्द बुद्धि नहीं होते। हाँ मन्दबुद्धि का होना शैक्षिक पिछड़ेपन का कारण हो सकता है।

(3) किसी अमुक विषय में सीखने की निर्योग्यता रखने वाला बालक (Child having Learning Disability in a particular Subject)

ऐसे बालक शैक्षिक रूप से औसत या श्रेष्ठ होते हैं लेकिन विषय-विशेष को सीखने में कठिनाई का अनुभव करते हैं।

Example – कुछ बालक साहित्य विषयों के पढ़ने में कठिनाई का अनुभव

करते है जबकि कुछ अन्य गणित या विज्ञान विषय मुश्किल से सीख पाते है।

(4) सम्प्रेषण बाधित बालक (Child with Disturbed Communication)

ऐसे बालक वे होते हैं जो दूसरे की बताई गई बात को सही ढंग से नहीं समझ पाते ना ही अपने विचारों को भाषा के द्वारा उपयुक्त अभिव्यक्ति कर पाते है। अतः यह सम्प्रेषण करने में काफी कमजोर होते है, जिसके कारण इन्हे अनेको कठिनाइयों का सामना करना होता है।

Fourth Type -

(4) सामाजिक रूप से विशिष्ट बालक Socially Exceptional Child -

इस श्रेणी में वे बालक आते है जिनका समाज में समायोजन उचित प्रकार से नहीं होता है। वह अपनी किसी व्यक्तिगत समस्या, व्यवहार या अपनी संवेगात्मक स्थिति के कारण सामाजिक रूप से विचलित हो जाते है। इसी कारण इन्हें सामान्य बालको के साथ शिक्षा देना असम्भव सा हो जाता है। सामाजिक रूप से विशिष्ट बालकों को निम्नलिखित (के) उपवर्गों में विभाजित कर सकते है।

(1) संवेगिक रूप से परेशान बालक (Emotionally Distrubed child) ⟹

ऐसे बालक परिवार के सदस्यों, संगी-साथियों तथा अध्यापकों के पक्षपाती एवं हतोत्साहित करने वाले व्यवहार के कारण संवेगिक रूप से विचलित हो जाते हैं।

(2) असमायोजित बालक (Maladjusted child)

ऐसे बालक किन्हीं असमनताओं व समस्याओं के कारण समाज परिवार व साथियों में अपना समायोजन नहीं कर पाते हैं। फलस्वरूप ये या तो एकांकी जीवन व्यतीत करना पसन्द करते हैं।

(3) वंचित बालक (Deprived child)

वंचित की स्थिति बालकों में सामाजिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक विषमताओं के फलस्वरूप उत्पन्न होती है। इसके अतिरिक्त निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर के बच्चे भी इसी श्रेणी में आ जाते हैं। जो कि परिवार की निम्न सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति होने के कारण अपनी योग्यता का विकास नहीं कर पाते हैं।

(4) समस्यात्मक बालक (Problematic child)

ये बालक अल्पायु से ही उचित निर्देशन

के अभाव में चोरी करते, झूठ बोलने, झगड़ा करते, बीड़ी-सिगरेट पीना करते, जेबकतरे, नाखून काटने वाले एवं भगोड़े बन जाते हैं तथा शिक्षक-माता-पिता व अन्य व्यक्तियों के लिए समस्याएं उत्पन्न करते हैं।

(5) बाल-अपराधी (Juvenile Delinquent)

ऐसे बालक जो समाज विरोधी कार्यों, कानून की अवहेलना तथा विध्वंसकारी कार्यों के करने में संलग्न हो जाते हैं, बाल अपराधी कहलाते हैं।

(6) माता-पिता द्वारा तिरस्कृत बालक (Parentally Rejected children)

इसमें ऐसे बालक आते हैं जो कि माता-पिता द्वारा तिरस्कृत किये जाते हैं। यह तिरस्कार किसी भी कारण से हो सकता है जैसे-माता-पिता की आपसी लड़ाई के कारण या अधिक भाई-बहनों के कारण इत्यादि। फलस्वरूप ऐसे तिरस्कृत बालक समाज के लिए समस्या बन जाते हैं।

Scanned with CamScanner